आमेर किला - भाग 3

Duration : 02.44 Transcribed words : 487

- संगीत -

विनोद कुमार शर्मा : ये जो जगह आप देख रहे हैं ये विश्व का सबसे बडा शीशमहल बना है... इसका आर्ट आप देख रहे हैं पूरा गोल्ड लगा हुआ है... वाईट वाला प्लास्टर पैरिस है... उस जमाने में ये बैलों के द्वारा और चरसे के द्वारा मार्बल के ऊपर ले के आये... नीचे कार्पेट होते थे... ये विश्व का अजूबा बना हुआ है... मिर्जा जयसिंह को दो रानियाँ थीं... दोनों रानियों के लिये दो बैड रूम हैं... एक रानी चन्द्रमुखी, एक रानी मृग नयनी... चार सौ साल पहले भी हमारे हिन्दुस्तान में ये प्लास्टर पैरिस का वर्क बना हुआ है... तो इसका नाम जस मंदिर, दीवान ए खास और ग्लास पैलेस... वैल डेकोरेट होता था, कार्पेट होते थे, चारों तरफ से कवर होता था... इसकी सुरक्षा के लिये देखिये आगे में दो वाच टावर हैं, सामने यैलो वाला जो आप देख रहे हैं डॉम्स, वो वाला, उसके बराबर में बैल्क जो देख रहे हैं, पानी का टैंक है... लैदर बैग से पानी स्टोर करते थे... और वहाँ से फाऊँटेन चलते थे... एक फाऊँटेन जो आप देख रहे हैं गार्डन में है.... एक फाऊँटेन यहाँ बना हुआ है... चार फाऊँटेन गार्डन में हैं... आम पब्लिक को यहाँ ऐलाऊ नहीं था... ये मिर्जा जयसिंह का, विश्व का सबसे सुंदर, सबसे बडा शीश महल है...

प्रश्न - इस छत की क्या विशेषता है ?

उत्तर - ये पूरा सोने का पेंटिंग है... प्लास्टर पैरिस है... और सारा बेल्जियम ग्लास है... उस जमाने में आर्ट और नजर की बहुत कीमत होती थी... लोगों ने खून पसीना करके इसका जो

आर्ट बनाया है, आज देखिये ये विश्व के अंदर प्रसिद्ध शीश महल, पूरा गोल्ड, प्लास्टर पेरिस मार्बल....

प्रश्न - इस शीश महल में कौन से तरीके का आर्टस का यूज किया गया है ?

उत्तर - इसमें हिन्दू आर्ट, मुगल आर्ट, पर्शयन आर्ट... आप देखिये हिन्दू में कृष्ण का पेंटिंग अंदर में बना हुआ है... मुगल के अंदर ये मुगल आर्ट है... ये जो आप देख रहे हैं ये मुगल आर्ट है... और परशियन में देखिये ये पट्टी बनी हुई है... तीनों आर्ट को मिक्स करके फिर इसको बनाया गया है...

प्रश्न- आपने बोला था ये काँच बेल्जियम का है... तो उस समय में ये बेल्जियम से कैसे लाया जाता था?

उत्तर - चार सौ साल पहले भी हिन्दुस्तान की ऐसी व्यवस्था थी कि यहाँ से मसाले बाहर जाते थे, बेल्जियम ग्लास हमारा यहाँ आता था... तो ये सारा, देख रहे हैं बेल्जियम का ग्लास ऊपर बना हुआ है... इसकी विशेषता है, ये गर्म होता है... ये देखिये नाग की तरह डिजाइन बना हुआ है... आप देखेंगे ये हाथी की पूँछ बनी हुई है... ये देखिये एरिया, मच्छी बनी हुई है... ये देखिये बिच्छू बना हुआ है... ये देखिये लीफ बनी हुई है... ये तितली बनी हुई है... और ये डिजाईन देख रहे हैं जो जयपुर के लिये फेमस होता है, लहँगा, चुनरी, कारपेट, उसके डिजाईन बने हुये हैं...

- संगीत -